RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : सोमवार 01 अप्रैल 2024 वर्ष 05 अंक 340 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे नई मुसीबत में !

बीजेपी ने मुख्यमंत्री के सामने खड़ी कर दी नई दुविधा !

मुंबईः मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे 29 मार्च पांच घंटे के लिए अज्ञात स्थान पर चले गए और राजनीतिक चर्चाएं सामने आ गई हैं. दिलचस्प बात यह है कि उनके मंत्री, सांसद, विधायक उनसे मिलने ठाणे आए थे। लेकिन मुख्यमंत्री शिंदे ने किसी से मुलाकात नहीं की. आखिरकार मुख्यमंत्री के सांसद पुत्र डॉ. श्रीकांत शिंदे से बातचीत के बाद मंडली लौट गई. इसलिए इस बात को लेकर कई तरह के तर्क हैं कि आखिर अज्ञानता में गए मुख्यमंत्री कहां गए.

नासिक से शिवसेना के मौजूदा सांसद हेमंत गोडसे, नासिक के संरक्षक मंत्री दादा भुसे, उद्योग मंत्री उदय सामंत के साथ उनके भाई किरण सामंत भी एकनाथ शिंदे से मिलने ठाणे पहुंचे। हेमंत गोडसे नासिक से दोबारा उम्मीदवार बनना चाहते हैं. जबकि किरण सामंत रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग से इच्छुक हैं। इसके अलावा नासिक से विधायक सुहास कांडे भी गोडसे के समर्थन में मुख्यमंत्री से मिलने पहुंचे. इन पांचों नेताओं को करीब पांच घंटे तक हिरासत में रखने के दौरान मुख्यमंत्री अज्ञात स्थान पर थे. अंततः इंतजार करते-करते थककर भुसे, सामंत बंधु, कांडे और गोडसे बिना किसी ठोस चर्चा और आश्वासन के थाने से लौट आये। सांसद ने कहा नहीं. श्रीकांत शिंदे से औपचारिकता के तौर पर मुलाकात हुई. लेकिन कुछ हासिल नहीं हुआ.

गुमनामी और मेयर का बंगला

इन पांच घंटों के दौरान मुख्यमंत्री अज्ञातवास यानी मेयर बंगले पर ही थे. उनके साथ उनके निजी सहायक प्रभाकर काले भी थे। मुख्यमंत्री शिंदे इस समय राजनीतिक दुविधा में हैं। नासिक लोकसभा सीट पर बीजेपी-राष्ट्रवादी कांग्रेस की नजर है. इस सीट पर छगन भुजबल की दिलचस्पी है. माना जा रहा है कि बीजेपी ने मुख्यमंत्री के सामने नई दुविधा खड़ी कर दी है, कल्याण की ठाणे. उसमें कल्याण के वर्तमान सांसद डॉ. चूंकि विपक्ष श्रीकांत शिंदे को भ्रमित करने की रणनीति बना रहा है, इसलिए मुख्यमंत्री शिंदे यह परीक्षण कर रहे हैं कि क्या उनके बेटे के लिए कल्याण के बजाय ठाणे एक विकल्प हो सकता है। बीजेपी की नजर ठाणे सीट पर है और पूर्व सांसद डॉ. संजीव नायक कमल निशान पर लड़ने को तैयार हैं.
बीजेपी ठाणे के साथ रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग सीट पर भी दावा कर रही है. इसलिए उदय सामंत के भाई किरण सामंत की उम्मीदवारी पर सवाल खड़ा हो गया है. केंद्रीय मंत्री नारायण राणे के रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग निर्वाचन क्षेत्र की घोषणा सोमवार को होने की संभावना है। इसलिए पारंपरिक शिवसेना के लिए ठाणे, नासिक, रत्नगिरी-सिंधुदुर्ग यानी मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को खोने का समय आ गया है।

गोडसे की जिद, तुमान की नाराजगी

नासिक सीट पर हेमंत गोडसे टिके हुए हैं. छगन भुजबल के लिए भी एनसीपी ने इस सीट को प्रतिष्ठित बना दिया है. शिवसेना की पहली सूची में नासिक से उम्मीदवारी की घोषणा नहीं होने के कारण हेमंत गोडसे मुंबई में डेरा डाले हुए थे। कल (शुक्रवार) मुख्यमंत्री से मुलाकात नहीं हुई. हालांकि, आज उन्होंने नासिक में काला राम के दर्शन कर प्रचार की शुरूआत की. दूसरी ओर, वे इस बात से नाराज हैं कि शिवसेना सांसद कृपाल तुमाने को दोबारा उम्मीदवार नहीं बनाया गया. रामटेक की सीट पर कृपाल तुमाने की जगह कांग्रेस से शिवसेना में शामिल हुए विधायक राजू परवे को मौका दिया गया है. नासिक, रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग सीटें खोने के डर और ठाणे या कल्याण की पसंद ने मुख्यमंत्री का राजनीतिक सिरदर्द बढ़ा दिया है।

गढ़चिरौली में नक्सली शिविर का भंडाफोड़ !

चुनाव के दौरान बड़ी साजिश की थी तैयारी

मुंबई : देश में आगामी लोकसभा चुनावों के मद्देनजर तमाम एजेंसियां सतर्क हैं और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए मुस्तैदी से जुटी हुई हैं. ऐसे में महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले की पुलिस ने गढ़चिरौली-छत्तीसगढ़ सीमा पर एक नक्सली शिविर का पता लगाकर कार्रवाई की है. पुलिस के मुताबिक, नक्सली लोकसभा चुनावों के दौरान बड़ी साजिश को अंजाम देने की तैयारी में थे. नक्सली भागने में कामयाब रहे, लेकिन पुलिस को मौके से काफी संख्या में आपत्तिजनक वस्तुएं मिली हैं. पुलिस के मुताबिक, नक्सलियों की गतिविधियों को लेकर शुक्रवार देर रात गोपनीय सूचना प्राप्त हुई थी. इसमें बताया गया था कि छत्तीसगढ़ के कसनसुर चटगांव दलम और औंधी दलम के सशस्त्र कैडर मोहल्ला मानपुर जिले

के चुटिनटोला गांव (एसपीएस पेंढारी से 12 किमी पूर्व) के पास महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ सीमा पर डेरा डाले हुए हैं और आगामी लोकसभा चुनावों के मद्देनजर विध्वंसक गतिविधियों को अंजाम देने की फिराक में हैं. सूचना मिलने के तुरंत बाद अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) यतीश देशमुख और सी60 कमांडोज की टीम के नेतृत्व में एक नक्सल विरोधी अभियान शुरू किया गया. शनिवार सुबह पुलिस और कमांडोज की टीम 450 मीटर ऊंची पहाड़ी की चोटी पर पहुंची, जहां पर नक्सली कुछ देर पहले तक रुके हुए थे.

प्रकाश आंबेडकर की पार्टी ने महाराष्ट्र की 11 सीटों पर उतारे उम्मीदवार...

मुंबईः प्रकाश अंबेडकर की पार्टी वंचित बहुजन अघाड़ी ने महाराष्ट्र के लिए अपने उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी कर दी है. दूसरी सूची में 11 प्रत्याशियों के नाम का एलान किया गया है. जिन सीटों पर प्रत्याशी उतारे गए हैं उनमें हिंगोली, लातुर, सोलापुर, माधा, सतारा, धुले, हटकांगले, रावेर, जालना, मुंबई उत्तर मध्य और रत्नागिरी-सिद्धुदुर्ग का नाम शामिल है. हिंगोली से डॉ. बीडी चव्हाण को टिकट, लातुर से नरसिंह राव उदगिरकर, सोलापुर से राहुल काशीनाथ गायकवाड, माधा से रमेश नागनाथ बरसकर, सतारा से मारुति धोदीराम जनकर, धुले से अब्दुल रहमान, हटकांगले से दादासाहेब ऊर्फ दादागौड़ा डी सी पाटिल, रावेर से संजय पंडित ब्रहमाने, जालना से प्रभाकर देवमन बाकले, मुंबई उत्तर मध्य से अबुल हसन खान और रत्नीगिरी-सिद्धुदुर्ग से काका जोशी को टिकट दिया है.

हिंगोली से शिवसेना के हेमंत पाटिल सांसद हैं. लातुर से बीजेपी के सुधाकर तुकाराम श्रृंगरे, सोलापुर से जे.एस. महास्वामीजी, माधा से बीजेपी के रणजीत नाइक निंबालकर, सतारा एनसीपी श्रीनिवास पाटिल और शिवसेना के धैर्यशील माने सांसद हैं. रावेर से रक्षा बीजेपी की खडसे, जालना से बीजेपी के रावसाहेब दानवे, मुंबई उत्तर मध्य से पूनम माहजन और रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग से शिवसेना यूबीटी के विनायक माने पिछले चुनाव में सांसद निर्वाचित हुए थे.

दादर में नाबालिग लड़की से कैब चालक ने किया बलात्कार

मुंबईः दादर पुलिस ने 16 साल की नाबालिग लड़की से कथित तौर पर दुष्कर्म करने के आरोप में 33 साल के एक कैब ड्राइवर को वडाला से गिरफ्तार किया है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि लड़की मानसिक रूप से बीमार है। पिछले दिनों वह अपने एक रिश्तेदार के यहां अस्थाई रूप से रहने के लिए आई थी।

पीड़िता की शिकायत पर दादर पुलिस ने तुरंत एफआईआर दर्ज की और घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज की मदद से संदिग्ध आरोपी कैब चालक को दबोच लिया। उधर, एक स्कूल परिसर में बने स्टोर रूम में छात्रा का कथित तौर पर स्कूल

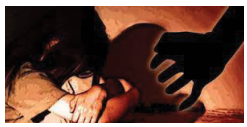

के ही एक चपरासी रेप किया। आरोप है कि वह दिसंबर महीने से ही छात्रा को मारपीट और डरा धमकाकर दुष्कर्म कर रहा था। मुंबई पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी चपरासी को अरेस्ट कर लिया है। इन दिनों मुंबई का तापमान चरम पर है। इस तेज गर्मी और उमस से राहत पाने के लड़की देर रात अपने घर से बाहर सड़क पर एक किनारे खड़ी होकर हवा खा रही थी। आरोप है कि इस दौरान कैब चलाते हुए मोहम्मद जलील खलील वहां से गुजर रहा था। उस दौरान उसकी नजर सड़क किनारे अकेली खड़ी लड़की पर पड़ी और वह सुनसान रात में युवती को अकेला देख उसके पास जा पहुंचा। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपी जलील एक नामचीन कंपनी में कैब चलाता है। उसने देर रात एक लड़की को अकेला देखने के बाद न सिर्फ उसके पास गया बल्कि उससे कुछ देर इधर उधर की बातें की और उसको मुंबई घुमाने के बहाने अपनी कैब में बैठा कर वहां से निकल गया। पुलिस के अनुसार, जलील लड़की को दादर स्थित एक फ्लाईओवर के पास ले गया, जिसके बगल में एक नाला है लेकिन इन दिनों वह सूखा पड़ा है।

पिछले तीन महीनों में 8 वर्षीय लड़की से बलात्कार के आरोप में स्कूल का चपरासी गिरफ्तार

मुंबईः मुंबई में एक स्कूल के चपरासी को पिछले तीन महीनों में स्कूल परिसर के अंदर आठ साल की एक लड़की से कई बार कथित तौर पर बलात्कार करने के आरोप में शनिवार को गिरफ्तार किया गया। 39 वर्षीय आरोपी लोअर परेल का रहने वाला है और पिछले कुछ सालों से स्कूल में काम कर रहा है. इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस ने कहा कि लड़की को आरोपी ने धमकी दी थी, इसलिए उसने घटना के बारे में किसी को नहीं बताया. हालाँकि, हाल ही में वह ठीक से चल नहीं पा रही थी जिसके बाद उसका परिवार उसे अस्पताल ले गया। वहां डॉक्टरों ने माता-पिता को बताया कि उसके साथ यौन उत्पीड़न हुआ है और इसके बाद लड़की ने उन्हें सारी बात बताई. अधिकारियों ने उसके माता-पिता की शिकायत के आधार पर आरोपी चपरासी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, चपरासी कथित तौर पर दिसंबर 2023 और मार्च 2024 के बीच नाबालिग लड़की को स्कूल के भूतल की सीढ़ी के नीचे स्थित स्टोर रूम में ले गया, उसकी पिटाई की और उसका यौन उत्पीड़न किया।

30 लाख रुपये की व्हिस्की लेकर तेलंगाना जा रहा ट्रक जब्त

गोवा : गोवा के आबकारी अधिकारियों ने रविवार को गोवा-महाराष्ट्र सीमा पर 30 लाख रुपये मूल्य की व्हिस्की की 1,250 पेटियां जब्त कीं, जिन्हें कथित तौर पर तेलंगाना ले जाया जा रहा था। आबकारी निरीक्षक राजेश नाइक ने आईएएनएस को बताया कि यह जब्ती तटीय राज्य के उत्तरी जिले के पात्रादेवी चेक पोस्ट पर की गई। उन्होंने कहा, ''हमने गोवा व्हिस्की ब्रांड नाम से व्हिस्की की 1,250 पेटियां जब्त की हैं, जिसकी कीमत 30 लाख रुपये है। व्हिस्की की पेटियों से लदा कंटेनर तेलंगाना जा रहा था, जिसे हमने सुबह करीब 9 बजे रोका और माल जब्त कर लिया।'' उन्होंने कहा कि जब ड्राइवर से दस्तावेज और अन्य विवरण मांगे गए तो वह मौके से भाग गया। जांच से पता चलेगा कि खेप किसकी है। सूत्रों ने बताया कि कंटेनर महाराष्ट्र से तेलंगाना जा रहा था। सूत्रों ने कहा, ऐसा लगता है कि खेप चुनाव के लिए थी क्योंकि बक्सों में हजारों पिंट हैं।

संपादकीय / लेख

बड़ी टेक कंपनियों की परीक्षा

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

डिजिटल मार्केट अधिनियम (डीएमए) के प्रवर्तन के कुछ सप्ताह बाद यूरोपीय आयोग ने गूगल, मेटा, एमेजॉन और ऐपल की जांच शुरू की है। यह जांच निष्पक्ष और प्रतिस्पर्धी डिजिटल मार्केट तैयार करने के लिए जरूरी अहम सिद्धांतों का पालन नहीं करने के आरोपों के कारण की जा रही है। ये जांच किसी न किसी रूप में ऐतिहासिक घटना साबित होगी क्योंकि जिन कंपनियों की जांच की जा रही है वे वैश्विक स्तर पर दबदबा रखने वाली कंपनियां हैं। आयोग खासतौर पर अल्फाबेट के उन नियमों पर गौर कर रहा है जो गूगल प्ले के संचालन तथा गूगल सर्च की खुद को वरीयता देने तथा ऐप स्टोर में ऐपल के संचालन के साथ-साथ सफारी के लिए स्क्रीन के चयन तथा मेटा के ह्यभुगतान या सहमति मॉडलह्न पर गौर कर रहा है। इसके अलावा आयोग ने वैकल्पिक ऐप स्टोरों के लिए ऐपल के नए शुल्क ढांचे तथा एमेजॉन की रैंकिंग व्यवस्था को लेकर भी जांच आरंभ की है। डीएमए ने बड़े ऑनलाइन प्लेटफॉर्म को ह्यगेटकीपरह्न की अर्हता देने के लिए एक खास लक्ष्य मानक तय किया है। गेटकीपर की आर्थिक स्थिति मजबूत होनी चाहिए, उसका बाजार पर अच्छा खासा असर होना चाहिए और उसे यूरोपीय संघ के कई देशों में सक्रिय होना चाहिए। उसे एक मजबूत मध्यवर्ती होना चाहिए, उसे कई तरह के व्यापारों में व्यापक उपयोगकताओं से संबद्ध होना चाहिए और उसे बीते तीन वित्त वर्षों के दौरान इन सभी मानकों पर खरा होना चाहिए। अल्फाबेट, एमेजॉन, ऐपल, बाइटडांस, मेटा और माइक्रोसॉफ्ट छह वैश्विक दिग्गज कंपनियां हैं जिन्हें गेटकीपर के रूप में तैयार किया गया है। डीएमए ने गेटकीपरों से मांग की थी कि वे 7 मार्च तक उसके नियमों का पालन सुनिश्चित करें। आयोग का मानना है कि अल्फाबेट और ऐपल के उपाय वित्तीय शुल्कों समेत विभिन्न प्रकार के प्रतिबंध और सीमाएं लगाने वाले हैं जो डेवलपरों की स्वतंत्र रूप से संचार और पेशकश को बढ़ावा देने तथा सीधे अनुबंध समाप्त करने की क्षमता को बाधित करते हैं।

आयोग यह जांच कर रहा है कि गूगल सर्च जो गूगल शॉपिंग, गूगल फ्लाइट, गूगल होटल आदि को प्रमुखता से दिखाता है, क्या वह प्रतिद्वंद्वी सेवाओं पर खुद को प्राथमिकता देता है? वह ऐपल के मामले में इस बात की भी जांच कर रहा है कि क्या वह उपयोगकताओं को आसानी से सॉफ्टवेयर हटाने देता है, आईओएस की डिफॉल्ट सेटिंग बदलने देता है और उपयोगकताओं को अपनी पसंद की स्क्रीन चुनने देता है जो उन्हें यह इजाजत देता है कि वे अपने आईफोन पर वैकल्पिक ब्राउजर या सर्च इंजन का इस्तेमाल कर सकें। मेटा के मामले में आयोग इस बात की जांच कर रहा है कि क्या यूरोपीय संघ के उपयोगकताओं के लिए हाल ही में शुरू किया गया ह्यभुगतान या सहमतिह्न मॉडल डीएमए का अनुपालन करता है जिसके लिए गेटकीपरों को उपयोगकताओं की सहमति पाने की जरूरत होती है, तब जबकि वे विभिन्न प्लेटफॉर्म सेवाओं पर निजी डेटा को संयुक्त रूप से इस्तेमाल करना चाहते हों या उनका परस्पर इस्तेमाल करना चाहते हों। मेटा का यह द्वैत मॉडल शायद सहमति नहीं देने वालों को सही विकल्प नहीं देता हो।

+91 99877 75650
editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalrokthok

ROKTHOK LEKHANI NEWS
KHABREIN BE ROKTOK
Watch Us On YouTube
LIKE SHARE COMMENT SUBSCRIBE
youtube@rokthoklekhani

बहुचर्चित झुग्गी-झोपड़ी सफाई का ठेका कोर्ट में...
टेंडर 3 अप्रैल तक बढ़ाया गया

मुंबईः झुग्गी-झोपड़ियों की सफाई के लिए 1,200 करोड़ रुपये का ठेका अदालती विवाद में फंस गया है। बेरोजगार संगठनों और बचत समूहों ने ठेकेदारों को नियुक्त करने के मुंबई नगर निगम प्रशासन के फैसले के खिलाफ अदालत का दरवाजा खटखटाया है। हालांकि इस टेंडर प्रक्रिया को निलंबित नहीं किया गया है, लेकिन हकीकत यह है कि टेंडर लेने वाला ही आगे नहीं आ रहा है. इसलिए नगर पालिका ने इस काम के लिए टेंडर प्रक्रिया तीसरी बार बढ़ाई है और 3 अप्रैल तक टेंडर जमा किए जा सकेंगे।

शहर की मलिन बस्तियों की सफाई के लिए चार साल का ठेका दिया जाएगा। करीब 1200 करोड़ का ठेका दिया जाएगा और इसके लिए टेंडर प्रक्रिया फरवरी महीने में शुरू हो चुकी है. इससे पहले मुंबई में निजी भूमि पर स्थित झुग्गियों की सफाई के लिए 'स्वच्छता मुंबई प्रबोधन अभियान योजना के तहत स्वच्छता का काम किया गया था। इसमें स्वयंसेवी संस्थाओं के माध्यम से घर-घर से कूड़ा एकत्र किया गया, शौचालयों की सफाई की गई। हालांकि इन कार्यों को ठीक से नहीं करने का आरोप लगाते हुए नगर निगम प्रशासन ने अब इन संस्थाओं का काम बंद कर नये ठेकेदारों को नियुक्त करने का निर्णय लिया है. नगर पालिका के इस फैसले का बृहन्मुंबई बेरोजगार सेवा सहकारी महासंघ ने विरोध किया था। इस संस्था ने नगर पालिका के फैसले के खिलाफ कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है.

स्वच्छ मुंबई प्रबोधन अभियान योजना 2013 से नगर पालिका द्वारा लागू की गई है। उन्हें बेरोजगार सहकारी समितियों, विकलांग संगठनों, बचत समूहों, महिला संगठनों, बेरोजगार संगठनों से जुड़े संगठनों को छह महीने का अनुबंध दिया जाता है। इसमें प्रति व्यक्ति 6 हजार रुपये का वजीफा दिया जाता है।लेकिन अब प्रतिमान को 21,800 रुपये का भुगतान किया जाएगा. इसके अलावा, नए शामिल नियमों के कारण, बेरोजगारी संगठन भाग नहीं ले पाएंगे। केवल 500 करोड़ रुपये के टर्नओवर वाली संस्थाएं ही यह टेंडर जमा कर सकती हैं। इसलिए मौजूदा संस्थाएं इस टेंडर प्रक्रिया में हिस्सा नहीं ले पाएंगी. इसलिए संगठन का आरोप है कि नगर निगम प्रशासन यह ठेका एक खास ठेकेदार को देना चाह रहा है.

इस बीच कोर्ट ने इस मामले में स्थगन देने से इनकार कर दिया है. इसलिए नगर निगम प्रशासन ने टेंडर प्रक्रिया जारी रखी है। लेकिन ठोस अपशिष्ट विभाग के अधिकारियों का कहना है कि निविदाकर्ता अदालती विवाद के कारण टेंडर नहीं डाल रहे हैं. हालांकि बेरोजगार संगठनों ने इस टेंडर प्रक्रिया में शामिल करने की मांग की है, क्योंकि यह ठेका 1200 करोड़ का है, इसलिए इस ठेके के लिए कम से कम 12 से 14 करोड़ की जमा राशि देनी होगी.

मुंबई महारेरा ऑर्डर के कार्यान्वयन से 92 करोड़ रुपये की वसूली हुई

मुंबईः महारेरा वसूली आदेश के कार्यान्वयन ने आखिरकार गति पकड़ ली है। अब तक घर खरीदारों से मुआवजे के तौर पर 125 करोड़ रुपये की वसूली की जा चुकी है. सबसे ज्यादा 92 करोड़ रुपये मुंबई से बरामद हुए हैं. मुंबई शहर में आठ परियोजनाओं में 14 वसूली आदेशों से 21.19 करोड़ रुपये की वसूली की गई है। जबकि मुंबई उपनगरों में 40 परियोजनाओं में 75 ऑर्डर के लिए 71.06 करोड़ रुपये की वसूली की गई है। इस बीच, महारेरा ने इन आदेशों के कार्यान्वयन के अनुसार राशि का भुगतान नहीं करने वाले डेवलपर्स के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का फैसला किया है और संबंधित डेवलपर के बैंक खाते का पता लगाया जाएगा।

महारेरा में निजी डेवलपर्स के खिलाफ बड़ी संख्या में शिकायतें दर्ज की जा रही हैं। इन शिकायतों के अनुसार, यह साबित होने के बाद कि उपभोक्ताओं को धोखा दिया गया है, रेरा अधिनियम का उल्लंघन किया गया है, महारेरा शिकायतकर्ता द्वारा संपत्ति के लिए डेवलपर को भुगतान की गई राशि ब्याज सहित वापस करने का आदेश देता है। हालाँकि, महारेरा द्वारा उन डेवलपर्स के खिलाफ रिकवरी ऑर्डर (वसूली वारंट) जारी किए जाते हैं जो इस आदेश का पालन नहीं करते हैं। तदनुसार, डेवलपर की संपत्ति जब्त और नीलाम की जाती है। इससे प्राप्त राशि संबंधित शिकायतकर्ता को दी जाती है। यह प्रक्रिया जिला कलक्टर के माध्यम से पूरी की जाती है। महारेरा अब आदेशों के कार्यान्वयन में तेजी लाने के लिए जिला कलेक्टर से संपर्क कर रहा है। महारेरा ने आदेश के कार्यान्वयन के लिए सेवानिवृत्त अतिरिक्त कलेक्टरों को नियुक्त किया है और ये अधिकारी कलेक्टरों के संपर्क में हैं और आदेश के कार्यान्वयन के लिए अनुवर्ती कार्रवाई कर रहे हैं। इस फॉलोअप में सफलता मिल रही है और आदेश के क्रियान्वयन में तेजी आयी है.

पुणे में अश्लील वीडियो शूट करने वाले गिरोह का भंडाफोड़, 15 गिरफ्तार

पुणे : महाराष्ट्र पुलिस ने पुणे जिले के मावल तालुका में विभिन्न सोशल मीडिया मंचों के लिए कथित तौर पर अश्लील फिल्में बनाने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ किया और 15 लोगों को गिरफ्तार किया. एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी. पुलिस ने पाटन गांव के एक बंगले से अश्लील वीडियो शूट करने के लिए इस्तेमाल किए जा रहे कैमरे और अन्य सामग्री जब्त की. अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सत्य साई कार्तिक ने कहा, ''पुलिस को सूचना मिली कि 13 पुरुषों और पांच महिलाओं सहित 18 लोगों का एक गिरोह पाटन गांव स्थित एक बंगले में विभिन्न सोशल मीडिया मंचों के लिए अश्लील फिल्मों की शूटिंग में जुटा हुआ है. हमने शुक्रवार शाम पांच बजे इस ठिकाने पर छापा मारा. हमने अश्लील सामग्री फिल्माने में शामिल एक गिरोह का भंडाफोड़ किया.'' उन्होंने कहा कि 15 लोगों को गिरफ्तार किया गया है. अश्लील पुस्तकों और अन्य सामग्री की बिक्री के लिए भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) तथा सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत लोनावाला पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है.

गर्मी में पर्याप्त रक्त आपूर्ति... 15 दिनों में 847 रक्तदान शिविर आयोजित कर 78,221 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया

मुंबईः हर साल गर्मियों में खून की भारी कमी हो जाती है और इसका खामियाजा मरीजों को भुगतना पड़ता है। इस पर काबू पाने के लिए राज्य ब्लड ट्रांसफ्यूजन काउंसिल ने आध्यात्मिक और सामाजिक संगठनों से रक्तदान शिविर आयोजित करने की अपील की थी. इसके जवाब में फरवरी में राज्य भर में 847 रक्तदान शिविर आयोजित किये गये। इसके फलस्वरूप वर्तमान में राज्य में पर्याप्त रक्त भण्डार उपलब्ध हो गया है।

गर्मी में हर साल उत्पन्न होने वाली रक्त की कमी की समस्या को देखते हुए इस वर्ष राज्य रक्त आधान परिषद ने अभी से ही प्रयास शुरू कर दिये हैं. तदनुसार, ब्लड ट्रांसफ्यूजन काउंसिल और श्री जगद्गुरु नरेंद्राचार्य महाराज संस्थान द्वारा 10 से 25 फरवरी तक राज्य भर में विभिन्न स्थानों पर रक्तदान शिविर आयोजित किए गए। 15 दिनों में 847 रक्तदान शिविर आयोजित कर 78,221 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया।

अप्राकृतिक कृत्य का विरोध करने पर बालक की हत्या...

शील डायघर पुलिस ने दो को किया गिरफ्तार

ठाणे: अप्राकृतिक कृत्य का विरोध करने पर 12 साल के एक लड़के की बेरहमी से हत्या करने का मामला सामने आया है. शील डाइघर पुलिस ने इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया है और ये दोनों आपस में सगे भाई हैं. ठाणे कोर्ट ने उन्हें 2 अप्रैल तक पुलिस हिरासत में रखने का आदेश दिया है. इस घटना से हर तरफ हाहाकार मचा हुआ है. गिरफ्तार किए गए दोनों लोगों की पहचान रमजान मोहम्मद कुद्दूस शेख (20) और मोहम्मद आजाद कुद्दूस शेख (30) के रूप में हुई है। ये दोनों खराब काम करते हैं. ये दोनों ठाणे जिले के दहिसर के ठाकुरपाड़ा में आबिदभाई चाली में रहते हैं। जिस 12 साल के लड़के की हत्या की गई, वह इसी इलाके में रहता था. 25 मार्च को शाम 7 बजे वह खेलने के लिए निकला था. लेकिन काफी रात हो जाने के बावजूद वह घर नहीं लौटा. उसकी मां की शिकायत के आधार पर शील डायघर पुलिस ने अपहरण का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

इस बीच, तलोजा पुलिस को नवी मुंबई सीमा में आदिविली किरवाली गांव के पास एक नाले में पानी के एक पोखर में लापता लड़के का शव मिला, जिसके हाथ और पैर बंधे हुए थे और सिर पर चोट लगी थी। उसके गले में कपड़ा लिपटा हुआ मिला। इस मामले में तलोजा पुलिस ने इसे जांच के लिए शील दाइघर पुलिस को ट्रांसफर कर दिया. वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक संदीपन शिंदे, शीलादिघर के पुलिस निरीक्षक (अपराध) सुनील वरुडे के मार्गदर्शन में सहायक पुलिस निरीक्षक महेश काले, अब्दुल मलिक, अभिषेक नामपल्ले की एक टीम ने जांच की और कुछ संदिग्धों को हिरासत में लिया। इसमें रमजान और मोहम्मद दोनों शामिल थे। पुलिस उपायुक्त सुभाष बर्से ने बताया कि पूछताछ के दौरान जैसे ही इन दोनों ने हत्या की बात कबूल की, पुलिस ने इन्हें गिरफ्तार कर लिया.

महाराष्ट्र में पहले चरण के लिए नामांकन वापस लेने की तारीख खत्म... !

मुंबई: लोकसभा चुनाव के पहले चरण में महाराष्ट्र की पांच सीट पर होने वाले चुनाव के लिए नाम वापसी की अंतिम तिथि शनिवार को समाप्त हो गई और अब 97 उम्मीदवार मैदान बचे हैं, जिनके राजनीतिक भविष्य का फैसला 19 अप्रैल को होगा. मुख्य निर्वाचन अधिकारी एस चोकलिंगम ने शनिवार को इसकी जानकारी दी. शनिवार को नामांकन वापस लेने के अंतिम दिन 13 उम्मीदवार चुनाव मैदान से बाहर हो गए. केवल नागपुर और चंद्रपुर में, क्रमशः सभी 26 और 15 उम्मीदवारों के नामांकन जांच के बाद वैध पाए गए.

पहले चरण में जिन अन्य तीन सीटों पर मतदान होगा उनमें रामटेक (अनुसूचित जाति), भंडारा-गोंदिया और गढ़चिरौली-चिमूर (अनुसूचित जनजाति) शामिल है . पहले चरण की सभी पांच सीटें राज्य के विदर्भ क्षेत्र में हैं. रामटेक (एससी) में मुख्य मुकाबला कांग्रेस और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के बीच होगा जबकि शेष चार सीट पर सबसे पुरानी पार्टी और भारतीय जनता पार्टी के बीच मुख्य मुकाबला है. पहले चरण में जिन उम्मीदवारों के राजनीतिक भाग्य का फैसला होना है उनमें केंद्रीय मंत्री नितीन गडकरी, सुधीर मुनंगटीवार, सुनील मेढे (सभी बीजेपी) और प्रशांत पडोले, के नामदेव, विकास ठाकरे (सभी कांग्रेस) एवं अन्य शामिल है. पहले चरण के चुनाव में बसपा ने भी प्रमुखता से अपने उम्मीदवार उतारे हैं. चोकलिंगम ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, ''इन पांच निर्वाचन क्षेत्रों में 95,54,667 मतदाता हैं, जिनमें 48,28,142 पुरुष, 47,26,178 महिलाएं और 347 ट्रांसजेंडर शामिल हैं. इसके लिये कुल 10,652 मतदान केंद्र स्थापित किये गये हैं.''

चोकलिंगम ने कहा कि एक मार्च से राज्य में कुल मिलाकर 342.29 करोड़ रुपये मूल्य की नकदी, शराब, ड्रग्स और मुफ्त चीजें जब्त की हैं, जबकि बिना लाइसेंस के 557 हथियार जब्त किए गए और आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद से 27,685 लोगों के खिलाफ अपराध प्रक्रिया संहिता के तहत निवारक कार्रवाई की गई.

वसई किला इलाके में घूम रहा तेंदुआ... नागरिकों में डर, वन विभाग कर रहा है तलाश

वसई: वसई किले के इलाके में तेंदुए की मौजूदगी से हड़कंप मच गया है. वन विभाग द्वारा उसकी तलाश के लिए लगाए गए कैमरे में भी तेंदुए की मौजूदगी का पता चला है इस तेंदुए के आतंक से नागरिकों में भय का माहौल व्याप्त हो गया है।

वसई पश्चिमी भाग में वसई का ऐतिहासिक किला है। इस किले के क्षेत्र में बहुत सारे पेड़ और झाड़ियाँ हैं। शुक्रवार रात करीब आठ बजे क्षेत्र में तेंदुए की चहलकदमी की खबर मिलते ही आसपास के इलाके में हड़कंप मच गया। जैसे ही इस घटना की जानकारी वन विभाग को मिली, सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए किला क्षेत्र में ट्रैप कैमरे लगाए गए. इस ट्रैप कैमरे में तेंदुए का दृश्य कैद हो गया है और वन विभाग ने जानकारी दी है कि तेंदुए की तलाश जारी है. किले क्षेत्र से सटे हुए बड़ी संख्या में शहरी बस्तियाँ और कोलीवाड़ा हैं। इसके अलावा रात और सुबह के समय नागरिक इस क्षेत्र की सड़कों पर टहलने जाते हैं। चूँकि आस-पास घने पेड़ और झाड़ियाँ हैं, इसलिए झाड़ियों में छिपा तेंदुआ दिखाई नहीं देगा, इसलिए नागरिकों पर हमला करने की संभावना है। इसलिए वन विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि वे इस क्षेत्र से आते समय और रात में बाहर जाते समय सावधानी बरतें. बताया गया है कि इस तेंदुए को एक बाइक सवार ने टक्कर मार दी थी. वन विभाग द्वारा उसकी तलाश शुरू कर दी गई है। जिस स्थान पर तेंदुआ पाया गया वह वसई-विरार नगरपालिका सीमा में है। वन विभाग ने नगर पालिका को पत्र भेजकर कहा है कि यहां तक जाने वाली सड़क पर स्ट्रीट लाइटें लगाई जाएं और सड़क के दोनों ओर की झाड़ियां हटाई जाएं।

शांति और भाईचारा सुनिश्चित करने के लिए संविधान की रक्षा करने की जरूरत - पवार

मुंबई: विपक्ष के कद्दावर नेता शरद पवार ने शनिवार को कहा कि शांति और भाईचारा सुनिश्चित करने के लिए संविधान की रक्षा करने की जरूरत है, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) के प्रमुख ने एक इफ्तार पार्टी में कहा कि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के कुछ लोगों ने लगातार संविधान में बदलाव की बात कही है. पवार ने कहा,''ऐसे बयान चिंता पैदा करने वाले है, यदि शांति है तो पड़ोसी मुल्कों की तरह यहां चिंता करने की कोई आवश्यकता नहीं है जहां सरकारों ने एक व्यक्ति को लाभ पहुंचाने के लिए लोकतंत्र को नष्ट कर दिया, ऐसे हालात हमारे देश में कभी नहीं होने चाहिए,''

शरद पवार ने आगे कहा, ऐसी टिप्पणियां चिंताजनक हैं. यदि शांति है, तो पड़ोस के देशों के विपरीत चिंता करने की कोई आवश्यकता नहीं है, जहां सरकारों ने एक व्यक्ति के पक्ष में लोकतंत्र को नष्ट कर दिया. पवार ने कहा, ऐसी स्थिति हमारे देश में कभी नहीं आनी चाहिए. उन्होंने कहा, शांति और भाईचारे के लिए हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि संविधान की रक्षा हो.

विशेष रूप से, बीजेपी सांसद अनंतकुमार हेगड़े ने इस महीने की शुरूआत में कहा था कि उनकी पार्टी को संविधान में संशोधन करने और कांग्रेस द्वारा इसमें की गई विकृतियों और अनावश्यक परिवर्धन को ठीक करने के लिए संसद के दोनों सदनों में दो-तिहाई बहुमत की आवश्यकता है. बाद में बीजेपी ने हेगड़े की टिप्पणी से उपजे विवाद को शांत करने के लिए कदम उठाया और इसे उनकी निजी राय करार दिया और उनसे स्पष्टीकरण मांगा. पवार ने कहा, देश में अघोषित आपातकाल है. एक मुख्यमंत्री जेल में हैं और कई अन्य को भी ऐसी ही स्थिति का सामना करना पड़ रहा है. हमें एकजुट रहकर इस स्थिति का सामना करना होगा.' इस कार्यक्रम में शिवसेना (यूबीटी) नेता अरविंद सावंत, जिन्हें आगामी संसदीय चुनावों के लिए मुंबई दक्षिण लोकसभा सीट से फिर से नामांकित किया गया है, और मुंबई कांग्रेस प्रमुख वर्षा गायकवाड़ उपस्थित थे.

छुट्टी लेने के लिए 1 करोड़ 5 लाख की ज्वेलरी चोरी करने वाला सेल्समैन पकड़ा गया; सेल्समैन गिरफ्तार

ठाणे: यहां की मशहूर राजवंत ज्वैलर्स दुकान से 1 करोड़ 5 लाख रुपये के सोने के आभूषण लूटने वाले सेल्समैन को नौपाड़ा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. पुलिस जांच में पता चला है कि उसने चोरी इसलिए की क्योंकि उसके पास शराब पीने और मौज-मस्ती करने के लिए पैसे खत्म हो रहे थे। घटना का खुलासा इसलिए हुआ क्योंकि उसने एक दिन की छुट्टी ली थी और पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि इस अपराध में कोई और भी शामिल है या नहीं.

गिरफ्तार सेल्समैन की पहचान राहुल जयंतीलाल मेहता के रूप में हुई है और वह ठाणे में गावदेवी मैदान के पास अशोका हाइट्स बिल्डिंग में रहता है। वह ठाणे के एक डॉक्टर हैं। वह मूस रोड इलाके में स्थित राजवंत ज्वैलर्स में सेल्समैन के रूप में काम करता था। उसे हर दिन दुकान में बेचे गए आभूषणों का हिसाब देना पड़ता था और उसे अपने लॉकर में रखना पड़ता था। मालिक, सुरेश पारसमल जैन ने उस पर भरोसा किया और माना कि उसने जो हिसाब दिया है वह सही है। लेकिन 8 मार्च 2023 को राहुल के काम पर नहीं आने पर उसका काम दूसरे सेल्समैन को सौंप दिया गया. तभी मालिक ने देखा कि राहुल 1 करोड़ 5 लाख के सोने के गहने लेकर फरार हो गया है.

इस मामले में मालिक सुरेश जैन की ओर से दी गई शिकायत के आधार पर नौपाड़ा पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. पुलिस आयुक्त आशुतोष डुंबरे, संयुक्त पुलिस आयुक्त डॉ. ज्ञानेश्वर चव्हाण, अपर पुलिस आयुक्त विनायक देशमुख, पुलिस उपायुक्त सुभाष बर्से, सहायक पुलिस आयुक्त प्रिया ढाकने, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अभय महाजन, पुलिस निरीक्षक (अपराध) शरद कुंभार के मार्गदर्शन में सहायक पुलिस निरीक्षक मंगेश भांगे की एक टीम ने यह कार्रवाई की। जांच की गई और राहुल को मीरा रोड से गिरफ्तार कर लिया गया।

पुलिस टीम ने राहुल के घर जाकर उसके परिजनों से पूछताछ की तो पता चला कि वह आठ मार्च से काम पर नहीं जा रहा है. साथ ही उनकी पत्नी ने नौपाड़ा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी कि राहुल 15 मार्च से लापता हैं. पुलिस को यह बात पता चली कि दुकान में हुई चोरी का खुलासा होने के डर से राहुल अपना मोबाइल फोन बंद कर भाग गया. वह मीरा रोड, मुंबई, इंदौर, गुजरात जैसी अलग-अलग जगहों पर घूम रहा था और पुलिस टीम को चकमा दे रहा था।

ठाणे में नाकाबंदी में हथियार जब्त!

पुलिस ने दो को गिरफ्तार किया

ठाणे: लोकसभा चुनाव के मद्देनजर ठाणे पुलिस ने शिलफाटा इलाके में नाकाबंदी के दौरान हथियार जब्त किए हैं, जिनमें तलवार, तलवार और तलवार जैसे हथियार शामिल हैं. पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है और उनके पास से चोरी की तीन रिक्शा भी बरामद की है. पुलिस की प्रारंभिक जांच में पता चला है कि ये दोनों हथियार का भय दिखाकर पैसे लूट रहे हैं.

गिरफ्तार किए गए दोनों लोगों की पहचान गौरव उर्फ बाल्या शिवराम वाघे (19) और अरबाज शौकत अली पठान (20) के रूप में हुई है। ये दोनों भंडारली गांव के मानिकपाड़ा इलाके में रहते हैं. लोकसभा चुनाव की पृष्ठभूमि में ठाणे पुलिस ने 30 मार्च की सुबह शिलफाटा इलाके की घेराबंदी कर दी थी. इस समय, ड्यूटी पर मौजूद सब-इंस्पेक्टर सकेत शिंदे ने पनवेल से मुंब्रा की ओर तेजी से आ रहे रिक्शा को रोका और उसमें बैठे दोनों लोगों से पूछताछ की। उसी समय एक व्यक्ति रिक्शे से उतरकर भागने लगा. टीम ने उसका पीछा कर उसे पकड़ लिया. उनके शरीर की तलाशी और घर की तलाशी में सात अलग-अलग प्रकार के हथियार पाए गए, जिनमें तलवारें, कोइता और सुरा शामिल हैं। साथ ही जांच में पता चला कि जिस रिक्शा में हथियार ले जाया जा रहा था वह भी चोरी का था. जांच में पता चला कि पहले उसने दो रिक्शा चोरी किए थे। इन तीनों रिक्शों को पुलिस ने जब्त कर लिया है. शुरूआती जांच में पता चला है कि ये दोनों डर दिखाकर पैसे लूटने के लिए हथियार लेकर जा रहे हैं. पुलिस उपायुक्त सुभाष बर्से ने बताया कि इस संबंध में शिल दाइघर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है.

ठाणे शहर में तीन सौ सीसीटीवी कैमरे बंद!

कमिश्नर ने संबंधित कर्मचारियों को लिया हिरासत में

ठाणे : नागरिकों की सुरक्षा के लिए मनपा क्षेत्र में लगाए गए 1400 सीसीटीवी कैमरों में से 300 सीसीटीवी कैमरे खराब हो गए हैं और जब नियंत्रण कक्ष के निरीक्षण के दौरान यह मामला सामने आया तो नवनियुक्त आयुक्त सौरभ राव ने नाराजगी व्यक्त की. . नगर निगम सूत्रों के मुताबिक, कमिश्नर राव द्वारा कंट्रोल रूम की कार्यप्रणाली को लेकर पूछे गए सवालों से भी संबंधित कर्मचारियों की चिंता बढ़ गई और इसके बाद कमिश्नर राव ने उन्हें स्ट्रेचर पर ले जाकर उनके कान खोले. कुछ साल पहले ठाणे नगर निगम क्षेत्र की विभिन्न सड़कों पर सोने की चेन की चोरी बढ़ गई थी। साथ ही भामटाओं को बातों में उलझाकर उनसे पैसे लूटने का सिलसिला भी बढ़ गया। नगर पालिका ने इस तरह के सड़क अपराधों पर अंकुश लगाने और साथ ही शहर में कानून व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से ठाणे शहर में सीसीटीवी कैमरे लगाने की योजना लागू की है। इस योजना के माध्यम से, नगर निगम द्वारा ठाणे, कलवा और मुंब्रा शहरों में सुरक्षा उद्देश्यों के लिए 1 हजार 400 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। इन कैमरों द्वारा कैद की गई सारी जानकारी हजूरी स्थित नियंत्रण कक्ष में एकत्र की जाती है। इसका फायदा यह हुआ कि पुलिस ने शहर में विभिन्न अपराधों की जांच में इन कैमरों का इस्तेमाल किया है और इसके जरिए अपराधियों का पता लगाकर उन्हें पकड़ने में सफलता मिली है। इसके अलावा, प्रशासन ने हाल ही में नागरिकों और जन प्रतिनिधियों की मांग के अनुसार शहर के विभिन्न हिस्सों में 43 और सीसीटीवी कैमरे लगाने का निर्णय लिया है। वहीं, यह बात सामने आई है कि शहर में लगे 1400 सीसीटीवी कैमरों में से 300 बंद हैं.

ठाणे नगर निगम आयुक्त सौरभ राव ने मानसून से पहले कार्यों की समीक्षा शुरू कर दी है और साथ ही उन्होंने हजूरी स्थित नियंत्रण कक्ष का निरीक्षण किया और वहां काम की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने देखा कि शहर में तीन सौ कैमरे बंद हैं. इसके अलावा, यह भी देखा गया कि कैमरे मुंब्रा के उसी क्षेत्र में काम कर रहे थे। इसी समय प्रशासन की ओर से उन्हें सूचना दी गई कि कैमरे से जुड़े तार टूट गए हैं और उन्हें जोड़ने का काम चल रहा है. साथ ही कंट्रोल रूम वास्तव में कैसे काम करता है. कमिश्नर ने कर्मचारियों से कई सवाल पूछे कि नागरिकों से प्राप्त शिकायतों को संबंधित विभाग तक कैसे भेजा जाता है और उस पर कैसे कार्रवाई की जाती है. लेकिन वहां मौजूद कर्मचारी इस बारे में जवाब नहीं दे सके. इस पर नाराजगी जताते हुए आयुक्त राव ने कर्मचारियों को टेबल पर ले जाकर उनके कान खोले और नगर निगम सूत्रों को जानकारी दी।

पत्नी को सबक सिखाने के लिए दादर और कल्याण स्टेशन को बम से उड़ाने की धमकी...आरोपी गिरफ्तार

वसई: अपनी छोड़ी हुई पत्नी को सबक सिखाने के लिए एक आरोपी ने दादर और कल्याण रेलवे स्टेशनों को बम से उड़ाने की धमकी दी. लेकिन नालासोपारा की पेल्हार पुलिस ने महज दो घंटे में आरोपी को ढूंढ निकाला. शुक्रवार रात करीब 11 बजे मीरा-भाईंदर वसई विरार पुलिस कमिश्नरेट के कंट्रोल रूम में एक गुमनाम कॉल आई। फोन करने वाले इस्मा ने दादर और कल्याण रेलवे स्टेशनों को बम से उड़ाने की धमकी दी। इससे पुलिस तंत्र सतर्क हो गया। फोन नालासोपारा इलाके से आया था, इसलिए पेल्हार पुलिस इसकी जांच में जुट गई. वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक जीतेंद्र वनकोटी और पुलिस उपनिरीक्षक तुकाराम भोपाले ने रात भर तकनीकी विश्लेषण कर जांच शुरू की. आरोपी का मोबाइल नंबर बंद था। पुलिस को जब इस फोन की जानकारी मिली तो उसका पता केवल ओम शिवसाई चाल था। इसलिए पुलिस टीम ने रातों-रात इलाके में ओम शिवसाईं नाम की सभी चालीसें डाल दीं. इसी दौरान पुलिस को सीसीटीवी में एक संदिग्ध नजर आया. इससे पुलिस का काम आसान हो गया और उसे नालासोपारा के बिलालपाड़ा से गिरफ्तार कर लिया गया. आरोपी विकास शुक्ला (35) मजदूरी करता है।

वसई विरार शहर की 20 साल की विकास योजना तैयार करने की प्रक्रिया शुरू

वसई : किसी भी शहर की योजना बनाने के लिए एक शहर की संरचना तैयार करनी होती है। शहर की भौगोलिक संरचना, जनसंख्या, उपलब्ध संसाधन एवं आर्थिक गणना को ध्यान में रखकर विकास योजना तैयार करनी होगी। वसई विरार शहर की अगले 20 साल की विकास योजना तैयार करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पिछली विकास योजना में आरक्षित भूखंड का क्या हुआ यह सवाल अब भी बना हुआ है। नई योजना को लागू करते समय नगर पालिका के सामने अनाधिकृत निर्माण रोकने और हजारों करोड़ का फंड जुटाने की बड़ी चुनौती होगी

25 जनवरी 2019 की अधिसूचना के अनुसार, राज्य सरकार ने सभी नगर पालिकाओं को भौगोलिक रेटिंग (जीआईएस) प्रणाली के माध्यम से विकास योजनाएं तैयार करने का निर्देश दिया था। वसई विरार नगर निगम की पिछली बीस वर्षीय विकास योजना 2021 में समाप्त हो गई। नई विकास योजना तैयार कर प्रकाशित की जानी थी। लेकिन कोरोना काल में वसई विरार नगर निगम से 29 गांवों को बाहर करने का मामला कोर्ट में लंबित था. इसलिए यह काम रोक दिया गया. लेकिन राज्य सरकार ने 29 गांवों को नगर निगम में शामिल कर लिया और हाईकोर्ट ने 29 गांवों के मामले निपटा दिए. इससे नगर पालिका की सीमाएं तय हो गई हैं और अगले 20 वर्षों के लिए नगर पालिका की विकास योजना का मार्ग प्रशस्त हो गया है। यह विकास योजना शहरी नियोजन विभाग द्वारा तैयार की जा रही है. इसके लिए 45 लाख की आबादी मानकर योजना बनाई जा रही है। इसमें विभिन्न विकास कार्यों के लिए नए सिरे से आरक्षण किया जाएगा। भौगोलिक मानक के अनुसार सर्वेक्षण पूरा होने के बाद मई 2024 तक सर्वेक्षण प्रकाशित किया जाएगा। नागरिकों को आपत्तियां एवं सुझाव मांगने के लिए एक वर्ष की अवधि दी गई है। इसके बाद 2 नवंबर 2025 को इस विकास योजना का प्रकाशन किया जाएगा. इस विकास योजना की अवधि 2021 से 2041 तक है और इसमें अगले 20 वर्षों की योजना बनाई जाएगी।

अकोला में दूषित पानी पीने से 30 महिला पुलिस ट्रेनी को हुआ पीलिया...

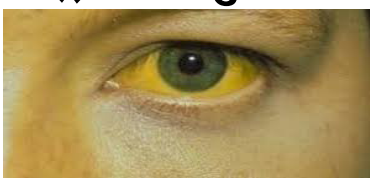

अकोला: पुलिस प्रशिक्षण केंद्र की 30 महिला प्रशिक्षु दूषित पानी के कारण पीलिया की चपेट में आ गईं. घटना की सूचना मिलते ही अधिकारियों में हड़कंप मच गया. एक वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार (30 मार्च) को यह जानकारी दी.

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (प्रशिक्षण) राजकुमार भाटकर ने मामले की पुष्टि की और कहा कि महिला प्रशिक्षु का चिकित्सा खर्च पुलिस बल वहन करेगा. भाटकर ने दिन में प्रशिक्षण केंद्र का दौरा किया था. इस मामले के संबंध में राजकुमार भाटकर ने कहा, ''घटना की जांच शुरू हो गई है, जो शायद दूषित पानी या दूषित भोजन के कारण हुई होगी.''

30 महिला प्रशिक्षुओं की हालत बिगड़ी

इस घटना को लेकर महाराष्ट्र में सियासत तेज हो गई है. विधान परिषद की उपसभापति नीलम गोरे और विधान पार्षद अमोल मितकारी ने मामले में सख्त कार्रवाई की मांग की. प्रदेश में गृह विभाग संभाल रहे उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस को लिखे पत्र में नीलम गोरे ने कहा कि दूषित पानी पीने के बाद 30 मार्च को कुछ महिला प्रशिक्षुओं की हालत बिगड़ गई.

महाराष्ट्र विधान परिषद के उपसभापति नीलम गोरे ने उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से पत्र के जरिये घटना का जिक्र करते हुए कहा, ''उनमें से 30 प्रशिक्षुओं को पीलिया हो गया है. इस घटना की जांच होनी चाहिए और प्रशिक्षण केंद्र का नियमित निरीक्षण होना चाहिए. अगर किसी की ओर से ढिलाई हो तो सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए.''

एनसीपी ने की एसआईटी जांच की मांग

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अजित पवार गुट के विधान पार्षद अमोल मितकारी ने भी मामले की जांच विशेष जांच दल (एसआईटी) से कराने की मांग की. अमोल मितकारी ने जांच में दोषी पाए गए लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है.

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। मोबाइल नं 998777 5650, Email-editor@rokthoklekhaninews.com